

DELHI WORLD PUBLIC SCHOOL

A Dipsites Knowledge initiative

Volume 1, Second Edition

July to September 2021



"Never stop learning because life never stop teaching"



From the Principal's desk...



Dear Children,

Growing up is a tough task as it is and on top of it one has to deal with multiple expectations and unforeseen situations that stretch our skills. It seems that the struggle is never ending and every new test is designed to test our patience. It is enough to make anyone question the process and ask, "Why me?"

At such times, sometimes a simple story such as this one, can help us see things in a new light and help us overcome our internal struggles.

Once upon a time a daughter complained to her father that her life was miserable and dreary. She grumbled that she was tired of fighting and struggling all the time and not getting anywhere. It seemed that life was just one problem after another.

Her father, a chef, took her to the kitchen. He filled three pots with water and placed each on a high fire. Once the three pots began to boil, he placed potatoes in one pot, eggs in the second pot, and ground coffee beans in the third pot. He then let them sit and boil, without saying a word to his daughter.

The daughter, moaned and impatiently waited, wondering what he was doing.

After twenty minutes he turned off the burners. He took the potatoes out of the pot and placed them in a bowl. He pulled the eggs out and placed them a bowl. He then poured the coffee out and placed it in a mug.

Turning to her he asked. "Daughter, what do you see?"

"Potatoes, eggs, and coffee," she hastily replied.

"Look closer", he said, "and touch the potatoes." She did and noted that they were soft.

He then asked her to take an egg and break it. After pulling off the shell, she observed the hard-boiled egg. Finally, he asked her to sip the coffee. Its rich aroma and warmth brought a smile to her face.

"Father, what does this mean?" she asked.

He then explained that the potatoes, the eggs and coffee beans had each faced the same adversity — the boiling water. However, each one reacted differently.

The potato went in strong, hard, and unrelenting, but in boiling water, it became soft and weak.

The egg was fragile, with the thin outer shell protecting its liquid interior until it was put in the boiling water, then the inside of the egg became hard. However, the ground coffee beans were unique. After they were exposed to the boiling water, they changed the water and created something new.

"Which are you," he asked his daughter. "When adversity knocks on your door, how do you respond? Are you a potato, an egg, or a coffee bean?"

In life, things happen around us, things happen to us, but the thing that truly matters is what happens within us. We have the power to choose new ways of responding to life in any moment.

So, which one are you? And which one will you choose?

I wish you good luck and ask that you always have the ability to put your best foot forward no matter how great the challenge in front of you.

Blessings and good wishes, Dr. Manisha Sahni Director Principal Delhi World Public School Zirakpur

"Let's be reasonable and add an eighth day to the week that is devoted exclusively to reading." Lena Dunham

The Diary of a Young Girl by Anne Frank

The Diary of a Young Girl is a book of writings from a diary (addressed as "Kitty") kept by Anne Frank when she, along with her family went into hiding during the Nazi occupation of Netherlands. It tells the journey of a family who suddenly had to leave their home and go into hiding.

Anne is a cheerful, inquisitive and happy girl even though her family is living in such an awful situation. She observes everything very carefully and then shares everything with "Kitty". Despite being a teenager, she was very opinionated and would often fight with her mother over many things. The most beautiful thing about Anne was that although she was living in such difficult times, she was still hopeful.

"In spite of everything, I still believe that people are really good at heart." - Anne Frank

The book was published posthumously when the diary was discovered and retrieved by Miep Gies, who offered help to Frank family and arranged a hiding place for them, and was handed over to Otto Frank, Anne's father after WWII was over. Anne Frank died while being in a concentration camp in 1945, aged 15.

The most important message in the book is everybody has the right to freedom. People's religion or race doesn't define them and should not decide how they should be treated.

हिन्दी

जन-जन की भाषा है हिन्दी, भारत की आशा है हिन्दी | जिसने पूरे देश को जोड़े रखा है, वो मज़बूत धागा है हिन्दी | हिंदुस्तान की गौरव गाथा है हिन्दी, एकता की अनुपम परम्परा है हिन्दी | जिसके बिना हिन्द थम जाए, ऐसी जीवन रेखा है हिन्दी | जिसने काल को जीत लिया है, ऐसी कालजयी भाषा है हिन्दी | सरल शब्दों में कहा जाए तो, भारत की परिभाषा है हिन्दी |

> आईशा गुलाटी कक्षा – छठी 'अ'

रोचक तथ्य क्या आप जानते हैं-

- 1. दिमाग हमारे शरीर के आकार के मुक़ाबले काफ़ी छोटा होता है लेकिन हमारे पूरे शरीर के खून और ऑक्सीजन का 20 % हिस्सा दिमाग अकेला इस्तेमाल करता है |
- 2. पूरी दुनिया में एक मिनट में सात लोग सिर्फ़ धूम्रपान से दम तोड़ते हैं।
- 3. दुनिया में 20% व्यक्ति ऐसे होते हैं जिनकी आँखों का रंग हरा होता है |
- 4. सन् 1930 में प्लूटो ग्रह का नाम इंग्लैड की एक ग्यारह साल की लड़की के नाम पर रखा गया |

रेहास शर्मा

मेरे गुरु मेरे शिक्षक

हम सब को दुनिया में लाती है हमारी माँ, पर जीवन जीना सिखाती है हमारी मेम।

कभी बिगड़ती कभी संभालती, कभी कभी तो हँसा जाती है हमारी मेम |

गणित का गुणा-भाग हो या विज्ञान का ज्ञान, हमें समझा जाती है लता मेम।

हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा, सुन्दर कहानियाँ-जीवन आशा, हमें बताती है ममता मेम ।

फ्रेंच और इंग्लिश है विदेशी भाषा ,पर इसके उच्चारण में है मज़ा आता, जब पढ़ाती है नताशा और स्मृति मेम।

आज की ज़रुरत है कंप्यूटर का ज्ञान, इस पर देना होगा हम सबको ध्यान, यही सिखाती है निधि मेम।

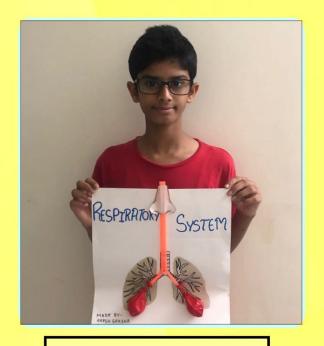
> इतिहास और भूगोल के, गोल (Goal) से परिचय, हमें करा जाती है सान्या मेम।

गुरु वाणी की सोणी भाषा, जो सबके मन को है भाता, जब भी सुनाती है कंचन मेम।

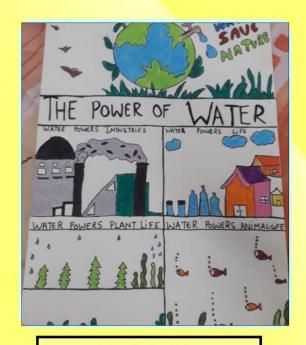
सब को मज़ा है दिलाता, जब आर्ट का पीरियड है आता, रंग भरी दुनिया में ले जाती है सोनम मेम।

सर भी हमारे कहाँ है पीछे, कभी गायन कभी डांस में खींचे, इस शिक्षक दिवस मैं करता हूँ सब को नमन | मेरे गुरु मेरे शिक्षक करते है मेरा मार्ग दुर्शन।

> अन्य शुक्ला कक्षा- छठी 'अ'



Arsh Saxena VII B

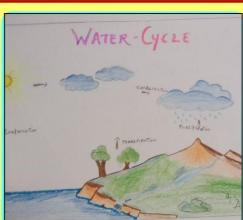


Aisha Gulati VI A

"Science is magic that works"



Aishwarya Bhambri VI A



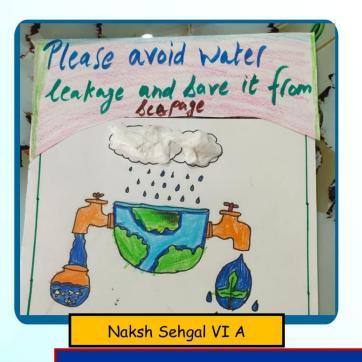
Arnay Gupta VI A

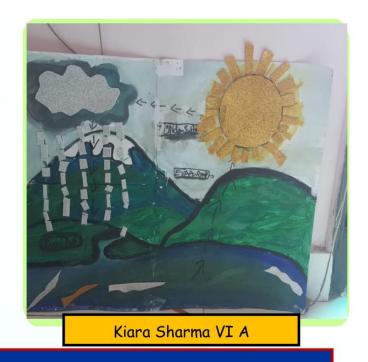


Ja<mark>skaran Singh VI A</mark>



Armaan Vatsa VI A

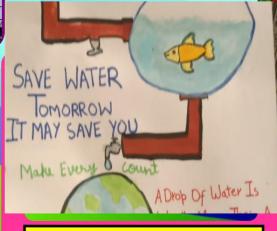




Life is dependent on water, and saving water is dependent on you









Dishika Vats VII B



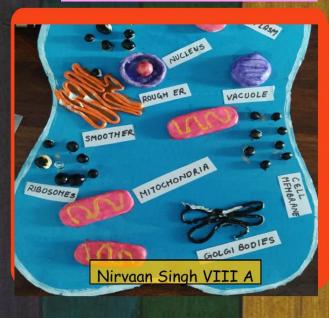




Shailija Chaudhary VI A



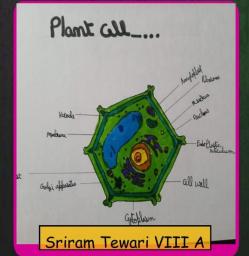
Plant Cell Project





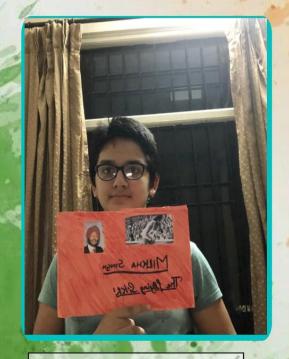
Pranav Mehra VIII A







Shoorveer India



Aadhaya Vij VII A





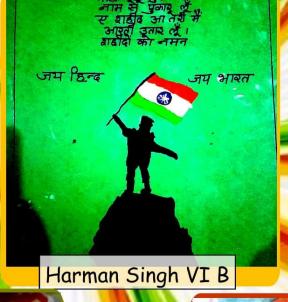




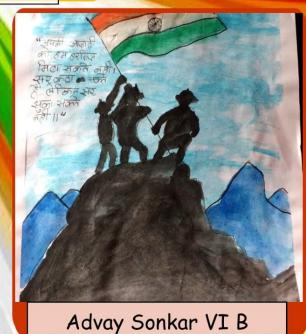


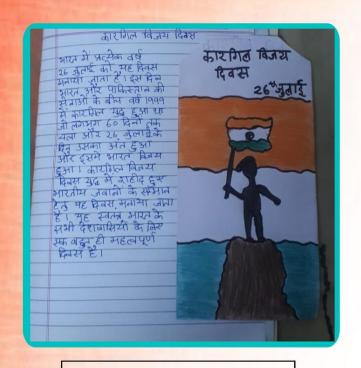
सदियों तक अमर रहेगा तेरा ये बलिदान, मेरा शत- शत नमन तुम तक पहुँचे यही है अरमान।











Ayesha Gulati VI A



Anay Shukla VI A

लहू देकर तिरंगे की बुलंदी को संवारा है, फरिश्ते तुम वतन के हो, तुम्हें सजदा हमारा है।



Naksh Sehgal VI A



Swarit Kumar VI B

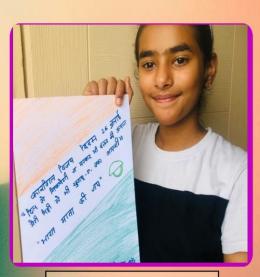
" Celebrating Hindi Diwas"



Anika Dwivedi VI B



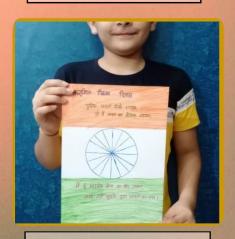
Anvi Angrish VI B



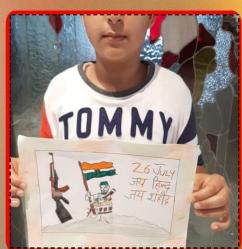
Sidaq Kaur VI B



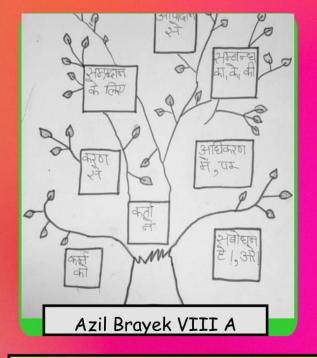
Dheeraj Kumar VI B

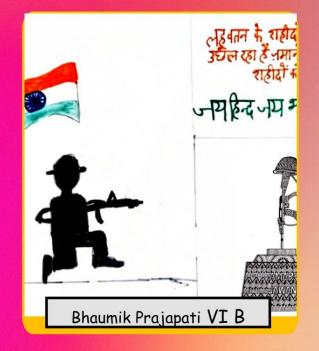


Divyam VI B



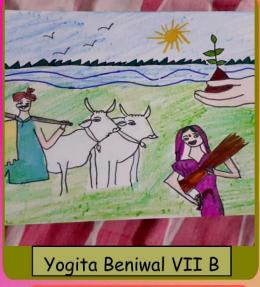
Harkirat Singh VI B





वक्ताओं की ताकत है भाषा , लेखक का अभिमान है भाषा। भाषाओं के शीर्ष पर बैठी, मेरी प्यारी हिन्दी भाषा।









Anay Shukla VI A

Devika Kalra VI B

ਪੰਜਾਬੀ ਮੇਰੀ ਜਾਨ ਵਰਗੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਮੇਰੀ ਪਹਿਚਾਣ ਵਰਗੀ।

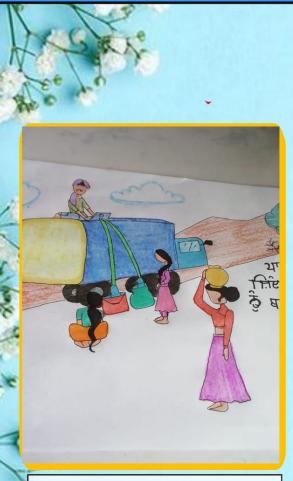
> ਪੰਜਾਬੀ ਬਜ਼ੁਰਗ ਦੀ ਦੁਆ ਵਰਗੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਨਿਰੀ ਖੁਦਾ ਵਰਗੀ। ਪੰਜਾਬੀ ਵਾਰਿਸ ਦੀ ਹੀਰ ਵਰਗੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਨੈਣਾਂ ਦੇ ਨੀਰ ਵਰਗੀ।

ਭੁੱਲ ਕੇ ਵੀ ਨਾ ਭੁਲਾਉਣਾ ਇਸਨੂੰ, ਕਿਉਂਕਿ ਪੰਜਾਬੀ ਹੈ ਸਾਡੀ ਮਾਂ ਵਰਗੀ। ਬੋਲੀ ਨਾ ਰਹੀ ਤਾਂ ਕਵਿਤਾਵਾਂ ਗੁੰਮ ਜਾਣੀਆਂ, ਮਾਵਾਂ ਦੀਆਂ ਦੁਆਵਾਂ ਰੁੱਲ੍ਹ ਜਾਣੀਆਂ।

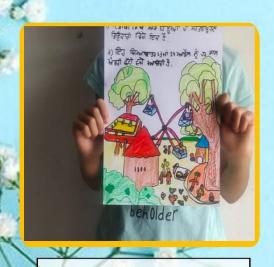
ਥਾਈਂ – ਥਾਈਂ ਖੇਡਾਂ ਤੇ ਪੰਘੂੜੇ ਆਏ ਨੇ, ਜੋਗੀਆਂ ਮਦਾਰੀਆਂ ਤਮਾਸ਼ੇ ਲਾਏ ਨੇ। ਕੱਠਾ ਹੋ ਕੇ ਆਇਆ ਰੌਲਾ ਸਾਰੇ ਜੱਗ ਦਾ, ਭੀੜ ਵਿੱਚ ਮੋਢੇ ਨਾਲ ਮੋਢਾ ਵੱਜਦਾ। ਕੋਹਾਂ ਵਿੱਚ ਮੇਲੇ ਨੇ ਜ਼ਮੀਨ ਮੱਲੀ ਏ, ਚੱਲ ਨੀ ਪਰੇਮੀਏ! ਵਿਸਾਖੀ ਚਲੀਏ।

> ਇੱਕ ਗੱਲ ਕਦੇ ਨਾ ਭੁੱਲਣਾ, ਪਾਣੀ ਕਦੇ ਵਿਅਰਥ ਨਾ ਡੋਲਣਾ।

ਪਾਣੀ ਜੀਵਨ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀ ਬੁਨਿਆਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ ਇਸ ਦੇ ਬਿਨਾਂ ਜਿਉਂਦੇ ਰਹਿਣਾ ਸੰਭਵ ਨਹੀਂ ਹੈ।



Angela Thakur VII A



Mansie Rawat VI A



Narios Thukral VI A



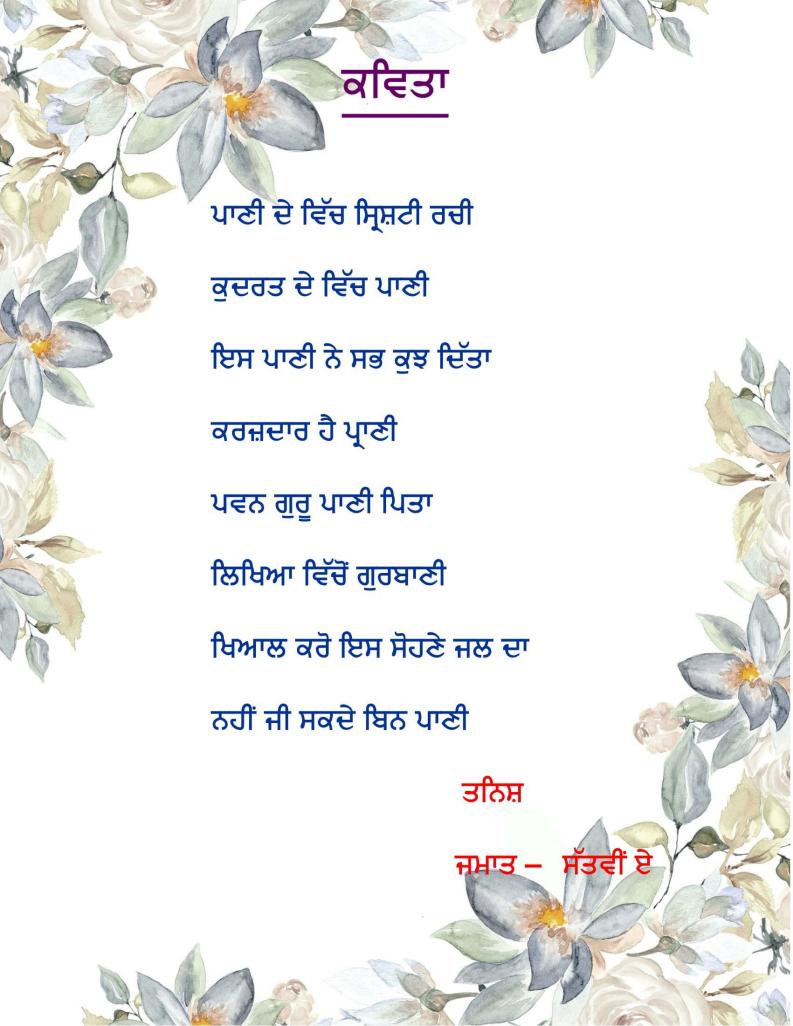
Jaskaran Singh VI B



Tanish Thakur VII A



Shaurya Talwar VI B



हिन्दी मेरा प्रिय विषय मेरे विचार

जब मैंने हिन्दी सीखना शुरू किया तो मुझे काफी कठिनाई हुई | पर धीर-धीरे हिन्दी मेरे लिए आसान हो गई। मैंने बहुत लगाव से हिन्दी सीखी और बहुत अभ्यास किया । मेरी हिन्दी में धीरे-धीरे सुधार आता गया और मैं बहुत जल्दी हिन्दी को तेज़ी से पढ़ने लगी। पर यह सब कुछ नहीं हो पाता अगर मेरी अध्यापिका ममता बिश्नोई नहीं होती। मेरी अध्यापिका ने बहुत मेहनत करके मुझे हिन्दी सिखाई और उसके लिए मैं कृतज्ञ हूँ । आज हिन्दी मेरा प्रिय विषय है

नरोइस ठाकुराल कक्षा- छठी 'अ'

सुबह

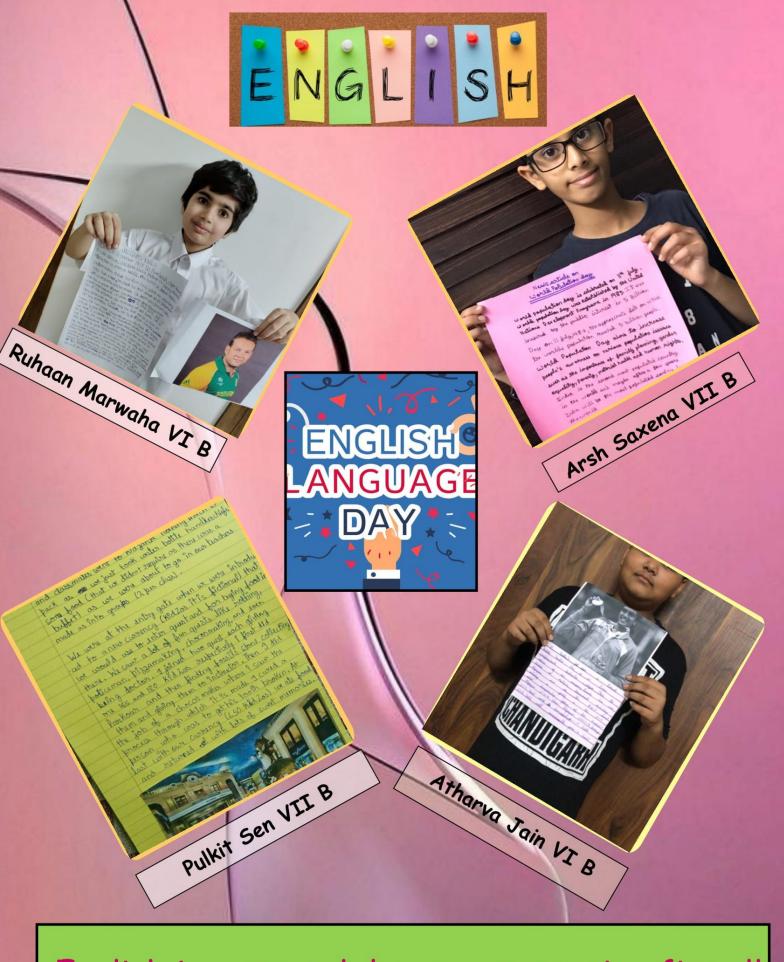
गरम-गरम लड्डू सा सूरज, लिपटा बैठा लाली में | सुबह-सुबह रख आया कौन, इसे आसमान की थाली में ||

> मूंदी आँख खोली कलियों ने, चिड़ियों ने गाया गाना | गुन-गुन करते भवरों ने, खिलते फूलों को पहचाना ||

तभी आ गई फुदक-फुदक कर, एक तितलियों की टोली | मधुमक्खियों ने मधु रस लेकर भर डाली अपनी झोली ||

> उठो-उठो हम तमे काम पर, तब आगे बढ़ पाएँगे | वे क्या पाएँगे जीवन में, जो सोते रह जाएँगे ||

> > स्पर्श अरोड़ा कक्षा – सातवीं 'अ'



English is a stretch language; one size fits all



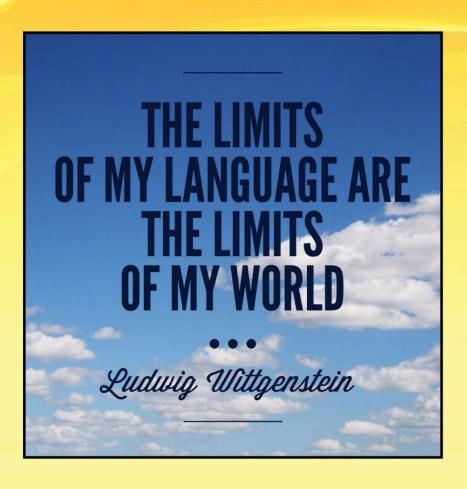
Tanish Thakur VII A



Lavanya Singla VII A



Rehaas Sharma VII A





Sparsh Arora VII A

पहेलियाँ:

- खात है सब इसको लेकिन स्वाद न कोई बाँठ सका, लोग खिलाते भी है लेकिन, उसे न कोई चबा सका।
- 2) हरी हरी एक सुंदर नार, सबका करती हूँ शृंगार जब कोई इसको अंग लगाए, लाल सुर्ख फौरन हो जाए।
- 3) वह कौन-सा शब्द है, जिसे अच्छे-अच्छे विद्वान भी गलत पढ़ते है?
- 4) छोटा-सा राजकुमार पहने कपड़े कई हज़ार ?
- 5) एक गुफा के दो रखवाले, दोनों लंबे, दोनों काले।
- 6) तीन अक्षर का है उसका नाम , आता है खाने के काम। अंत कटे हल बन जाए, मध्य कटे हवा बन जाए।

उत्तर: 1. कसम , 2. मेहंदी , 3. गलत , 4. प्याज़ , 5. मूंछे, 6. हलवा

अनुभा धवन

कक्षा : नौवी 'अ'

रोचक तथ्य

- 1. भारत ने ही दुनिया को योग दिया और भारतीय भारतीय योग तकरीबन 5000 हज़ार साल पुराना है |
- 2. चींटियाँ अपने जीवन काल में कभी नहीं सोती हैं।
- 3. क्या आप जानते हैं अब तक विश्व में दो अरब से भी ज्यादा टेलीविज़न प्रयोग किए जा चुके हैं।
- 4. बुद्धिमत्ता स्तर(आईक्यू) जितना तेज़ होता है , उतने ही सपने ज़्यादा आते हैं।

रेहास कक्षा- सातवीं

कक्षा मॉनिटर

जो कक्षा में बने मॉनिटर, कोरी शान दिखाते, आता जाता कुछ भी नहीं, पर हम पर रोब जमाते | जब कक्षा में टीचर नहीं होती, तो खुद टीचर बन जाते, कॉपी-पेंसिल लेकर बस नाम लिखने लग जाते हैं | खुद तो हमेशा बातें करे, हमें चुप करवाते हैं, अपनी तो बस गलती माफ़, हमें बलि चढ़ाते हैं | कक्षा तो संभाल पाते नहीं, बस चीखते-चिल्लाते हैं, भगवान बचाए इन मॉनिटर से, इन्हें हम नहीं चाहते हैं |

> एंजिला ठाकुर कक्षा – सातवीं 'अ'

Art & Craft



"Creative minds inspire others"

ਸਮਾਂ

ਰਹੀ ਵਾਸਤੇ ਘੱਤ

" ਸਮੇਂ " ਨੇ ਇੱਕ ਨਾ ਮੰਨੀ ,

ਫੜ੍ਹ ਫੜ੍ਹ ਰਹੀ ਧਰੀਕ

" ਸਮੇਂ " ਖਿਸਕਾਈ ਕੰਨੀ

ਕਿਵੇਂ ਨਾ ਸੱਕੀ ਰੋਕ

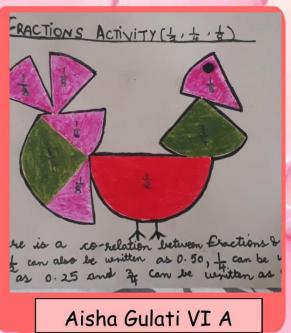
ਅਟਕ ਜੋ ਪਾਈ , ਭੰਨੀ ,

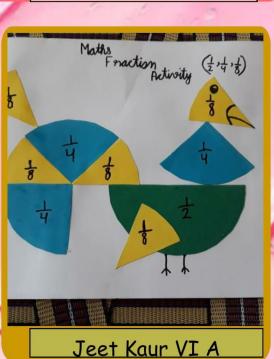
ਤ੍ਰਿੱਖੇ ਆਪਣੇ ਵੇਗ

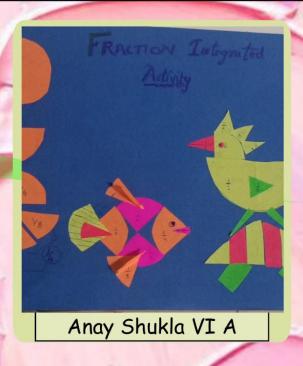
ਗਿਆ ਟੱਪ ਬੰਨੇ ਬੰਨੀ |

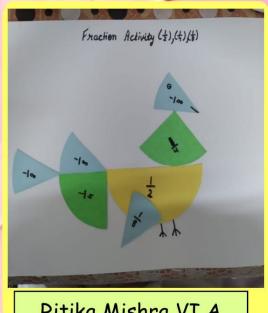
ਅਜੇ ਸੰਭਾਲ ਇਸ " ਸਮੇਂ " ਨੂੰ , ਕਰ ਸਫ਼ਲ , ਉੜੰਦਾ ਜਾਵਂਦਾ , ਇਹ ਠਹਿਰਨ ਜਾਚ ਨਾ ਜਾਣਦਾ , ਲੰਘ ਗਿਆ ਨਾ ਮੁੜ ਕੇ ਆਵਂਦਾ | (ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਜੀ)

"Mathematics gives us hope that every PROBLEM has a SOLUTION"









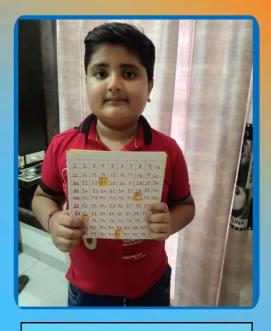
Ritika Mishra VI A

"Life without GEOMETRY is pointless"

"Mathematics is the Queen of Sciences"



Jaskaran Singh VI A



Sparsh Kalra VI B



Naayeshaa Srivastav VI B



Armaan Vatsa VI A

"The only way to learn mathematics is to do mathematics."

ਬੁਝੋ ਬੁਝਾਰਤ

```
ਨਾ ਗੁਠਲੀ, ਨਾ ਬੀਜ਼ ਦੇਖਿਆ ਹਰ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਵਿਕਦਾ ਦੇਖਿਆ |
 ਸਿੱਧੀ ਕਰਦਾ ਇੱਕ – ਇੱਕ ਤਾਰ | ਸਿੱਧੀਆਂ ਦਾ ਉਹ ਸਿੱਧਾ ਯਾਰ |
                                                ( ਕੰਘਾ )
                    ਕੁਕੜੀ ਚਿੱਟੀ ਪੁਛ ਹਿਲਾਵੇ | ਦਮੜੀ ਦਮੜੀ ਨੂੰ ਮਿਲ ਜਾਵੇ |
ਬੋਲੇ ਨਾ ਬੁਲਾਵੇ ਬਿਨ ਪੌੜੀ ਅਸਮਾਨੇ ਚੜ੍ਹ ਜਾਵੇ |
                             ( ਪਤੰਗ)
                           ਇੱਕ ਚੀਜ਼ ਮੈਂ ਐਸੀ ਦੇਖੀ , ਮਿਲਦੀ ਨਹੀਂ ਉਧਾਰੀ |
```

ਜਿਸ ਦੇ ਪੱਲੇ ਇਹ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਉਹ ਕਰਦਾ ਸਰਦਾਰੀ |

ਵਿੱਦਿਆ)

चुटकुले:

1) एक औरत ने ट्रेफिक सियल तोड़ दिया पुलिसवाला- रुको !! औरत- मुझे जाने दो, मैं एक टीचर हूँ। पुलिसवाला- अरे! इसी दिन का इंतज़ार तो मैं कई सालों से कर रहा था।

चलो , लिखो मैं कभी ट्रेफिक सिग्नल नहीं तोडूंगी,100 बार

संता - बहुत गर्मी है यार बंता – हाँ , दिन होता तो कहीं छाँव में बैठ जाते ।

2) संता बंता रात को सड़क पर घूम रहे थे।

3) अध्यापक (छात्र से)- कल स्कूल क्यों नहीं आए तुम ? छात्र (अध्यापक से)- मुझे बर्ड फ्लू हो गया था । अध्यापक-क्या! ये तो मुर्गे की बीमारी होती है। छात्र-आपने मुझे इंसान छोड़ा ही कहाँ हैं रोज़ तो मुझे मुर्गा बना देते हो।

4) छात्र (अध्यापक से) – सब लोग हिन्दी- इंग्लिश में बोलते है, गणित में क्यों नहीं बोलते ? अध्यापक (छात्र से)- ज्यादा 3-5 ना कर 9-2-11 हो ले, नहीं तो 4-5 धर दूँगा तो 6 का 36 दिखने लगेगा।

5) मास्टर जी – तुमने होमवर्क क्यों नहीं किया ?

पण् – मैं हॉस्टल में रहता हूँ ना.....

मास्टर जी – तो?

पण् – हॉस्टल में होपवर्क कैसे करके आ सकता हूँ, हॉस्टल वर्क देना चाहिए था ना....!!

अनुज यादव कक्षा- छठी 'अ'

कोरोना

हर घर में यही नारा है, कोरोना को हराना है। इसने ककैसा चक्कर चलाया, बड़ों –बड़ों को घर में बैठाया, अब इसको भी भगाना है, फिर यह घूमने जाना है। थाली से सब्जी गायब, मुँह से पान और मावा गायब, महँगा दौर जमाना है, फिर से पनीर पापड़ खाना है। कोरोना को हराना है॥

> अंजेला ठाकुर कक्षा : सातवी 'अ'

BELIEVE IN MAGIC

"Believe in your heart that you're meant to live a life full of passion, purpose, magic and miracles"

When you were a child, the thought of magic was never far off. From the movies you watched to the books you read to the stories of Santa and the fairy tales you believed in, magic was a part of your life. Take a walk down the memory lane when you believed that there was magic. My fertile childhood imagination allowed me to believe that fairies, the enchanted wood, the flying chair, talking cats, Harry Potter, and Narnia, all really existed, and I hoped to be a part of that magical world. I stole out at night hoping to find fairies in my garden. I actually thought that my toys came alive at night and play of and talked. I even tried flying on a broom!!!

As I grew old and the world of reality tarted seeping its way into my consciousness,

my imagined world that seemed so real slowly began to ebb away. In this world, there were no pretty fairies, no wizards, no logal name and brave knights or no logal Narnians. Those wonderful magical memories faded away. I had allowed myself to be overcome by the daily grind of a mundane world and it can be hard to regain it during the many trials and tribulations of adult life. But there is always hope and magic in the world if you simply know where to look for it.

Magic is all around us. Who can doubt it, when there are rainbows and wildflowers, the music of the wind and the silence of the stars? Look around you. ...there is magic everywhere. It lies in the serenity of the moonlight and the brilliance of the sunshine. You can find it in the depth of the oceans or the dizzy heights of the mountains. Anyone who has loved has been touched by magic. It is such a simple and such an extraordinary part of the lives we live.

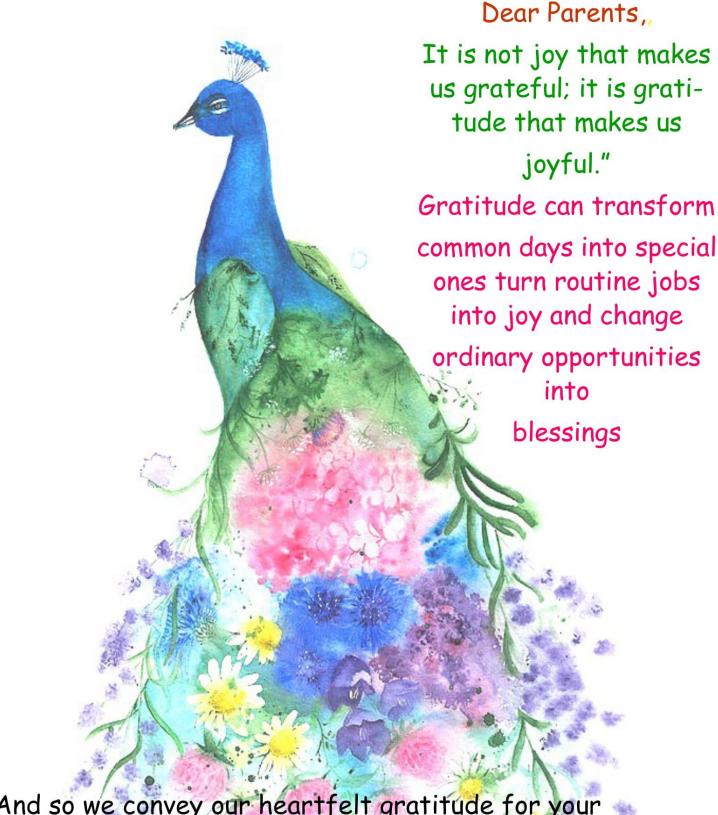
"I want to be the one to transform the world. I want to touch the heart of the world and make it smile. I want to be a friend of the elves and live in a tree. I want to marry a moonbeam and hear the stars sing. I want to sprinkle a little fairy dust in someone's life today and give them joy.

Magic isn't a far-fetched reality; it's a change of heart. It's okay to live like you've never lived before, to see in new ways and change your approach—you might find magic there. You know what the issue is with the world? Everyone wants a magical solution to their problem, and everyone refuses to believe in magic.

"Where there is kindness, there is goodness and where there is goodness, there is magic."

I believe that!!! I believe in magic.

"Magic happens when you do not give up" I will never give up!!!



And so we convey our heartfelt gratitude for your steady and unflinching support. Let us march together towards new tomorrows!

Warm Greetings
DWPS